

# विलापगीत

## आपन बिनास पइ यरूसलेम क विलाप

1 यरूसलेम क अकेल्ला काहे छोड़ दीन्ह ग ह, इ नगर जउन कि एक समइ लोगन क भीड़ स भरी पड़ा रहेन? एक समइ उ रहा जब देसन क बीच यरूसलेम महान नगरी रही। किन्तु आजु उहइ अइसी होइ गइ अहइ जइसी कउनो रौंड़ होत ह। उ समइ रहा जब देसन क बीच उ एक तु राजकुमारी स देखात रहे। किन्तु आजु उहइ नगरी दास बनाइ दिन्ह ग अहइ।

2 श्रुति में उ बुरी तरह रोवत ह अउर ओकर आँसू गालन पइ टिके भए अहाईं। किन्तु ओकर कउनो भी प्रेमी ओका दिलासा नाहीं देत ह। ओकर सबहि मीतन ओका दागा दिहस ह। ओकर मीत ओकर दुस्मन बन गएन।

3 बहोत कस्ट सहइ क पाछे यहूदा बैँधुआ बन गइ। यहूदा दूसर देसन क बीच रहत ह, किन्तु उ आराम नहीं पाएस ह। जउन लोग ओकरे पाछे पड़ा रहेन, उ पचे ओका धइ लिहल। उ पचे ओका सँकरी घाटियन क बीच में पकड़ लिहल।

4 सिथ्योन क राहन बहोत दुःख स भरी अहईं। उ पचे बहोत दुःखी अहईं काहेकि अब उत्सव क दिनन क बरे कउनो भी मनई सिथ्योन पइ नाहीं जात ह। सिथ्योन क सारे दुआर नस्ट कइ दीन्ह गएन ह। सिथ्योन क सबइ याजक कराहत हीं। सिथ्योन क चारिहूँ कइँती क गाँव खाली अहईं। सबहि लोगन क बंदी बना लीन्ह गएन ह। सिथ्योन गहिर दुःख में अहइ।

5 यरूसलेम क दुस्मन विजयी अहईं। ओकर दुस्मन सफल होइ गवा अहईं, काहेकि यहोवा, ओका ओकर बहोत सारी पापन बरे दण्ड दिहस। दुस्मन ओकर सन्तान क बंदी बना लीन्ह ह।

6 सिथ्योन क बिटिया क खुबसूरती जात अहइ। ओकर सबइ राजकन्या हरिनी सी भइन जेनके लगे चरह क चरागाह नाहीं होत। उ पचे बेसहारा होइके ओहेसा पराइ गएन जउन ओनकर पाछा किहे रहेन।

7 यरूसलेम बीती बात सोचा करत ह, ओन दिनन क बातन जब ओह पइ प्रहार भावा रहा अउर उ बेघर-बार भइ रहो। ओका बीते दिनन क सुख याद आवत रही। उ पचे पुराने दिनन में जउन नीक चिजियन ओकरे लगे रहिन, ओका याद आवत रहिन। उ अइसे उ समइ क सुमिरत ह जब ओकर लोग दुस्मनन क जरिये बंदी कीन्ह गएन। उ अइसे उ समइ क याद करत ह जब ओका सहारा देइ क कउनो भी मनई नाहीं रहा। जब दुस्मन ओका लखत रहेन, उ पचे ओकर हँसी उड़ावत रहेन। उ पचे ओकर हँसी उड़ावत रहेन काहेकि उ उजर चुकी रही।

8 यरूसलेम भयंकर पाप किहे रहा। आपन पाप क कारण ओका तबाह कीन्ह गएन ह। ओन पइ लोग आपन मुँड़ हिलाइके मजाक उड़ावत रहेन काहेकि उ पचे ओकर नंगापन क लख लिहस रहेन। यरूसलेम कराहत ह अउर आपन मुँहना लाज स फेरि लेत ह।

9 यरूसलेम क वस्त्र गन्दा रहेन। उ नाहीं सोचे रहा कि ओकरे संग का कछू घटी। ओकर पतन अजूबा रहा, ओकरे लगे कउनो नाहीं रहा जउन ओका सान्ति देत। उ कहा करत ह “हे यहोवा, लखा मई केतना दुःखी अहईं। लखा मोर दुस्मन कइसा सोचत अहइ कि उ केतना महान अहइ।”

10 दुस्मन हाथ बढ़ाएस अउर ओकर सब उत्तम वस्तु लूट लिहस। वास्तव में, उ पराये देस क अपने पवित्र ठउरे में घुसत भए लखेस। हे यहोवा, इ हुकुम तू ही दिहे रहया कि उ सबइ लोग तोहरी सभा में प्रवेश नाहीं करिहीं।

11 यरूसलेम क सबहि लोग कराहत अहईं, ओकर सबहि लोग खइया क खोज में अहईं। उ सबइ खइया जुटावइ क आपन कीमती चिजियन बेचत अहईं। उ पचे अइसा करत हीं ताकि ओनकर जिन्नगी बनी रहइ। यरूसलेम कहत ह, “लखा यहोवा, तू मोका लखा। लखा, लोग मोका कइसे धिना करत हीं।

12 मारग स होत भए जब तू सबहि लोग मोरे लगे स गुजरत अहा तउ अइसा लगत ह जइसे धियान नाहीं देत अहा। किन्तु मोह पइ निगाह डावा अउर जरा लखा, का कउनो अइसी पीरा अहइ जइसी पीरा मोका अहइ? का अइसा कउनो दुःख अहइ जइसा दुःख मोह पइ परा अहइ? का अइसा कउनो कस्ट अहइ जइसा कस्ट क दण्ड यहोवा आपन भयंकर क्रोध क दिन पइ मोका दिहस ह।

13 यहोवा ऊपर स आगी क पठएस ह अउर उ आगी मोरी हाइन क छेद दिहस। उ मोरे गोइन क बरे एक फंदा फेंकेस अउर उ मोका पाछे ढकेल इदहस ह। उ मोका वीरान कइ डाएस ह अउर मई बीमार रहत हईं।

14 मोर पाप मोह पइ जुए क नाई कसा गएन। यहोवा क हाथन क जरिये मोर पाप मोह पइ कसे गएन। यहोवा क जुआ मोरे कँधन पइ अहइ। यहोवा मोका दुर्बल बनाइ दिहस ह। यहोवा मोका ओन लोगन क सौंपेस जउन ओतना जियादा सक्तीसाली अहइ कि मई ओकरे संग लराइ नाहीं कइ सकत।

15 मोर सबहि वीर जोधा क नगर क भीतर ठहिरइ क रहेन काहेकि यहोवा ओनका मदद नाहीं किहस किन्तु नकार दिहस। यहोवा मोरे विरोध में फुन एक भीड़ पठएस, उ मोर युवा फउजी क मरवावइ ओन लोगन क लिआए रहा।

यहोवा यरूसलेम क नोकरानियन क वइसे ही कुचर दिहस जइसे लोग अंगूर कोल्हू में कुचरत ह।

16एन सबहिं बातन क लइके मई चिल्लाएउँ। मोर नैन जल में बूड़ि गएन। मोरे लगे कउनो नाहीं मोका चैन देइ। मोरे लगे कउनो नाहीं जउन मोका तनिक सान्ति देइ। मोर संतानन अइसी बनिहीं जइसे उजाड़ होत ह। उ पचे अइसे भवा कि दुस्मन जीत गवा रहा।”

17सिस्थोन मदद बरे आपन हाथ पसारे अहइ। कउनो अइसा मनई नाहीं रहा जउन ओका ढाढ़स देत। यहोवा याकूब क दुस्मनन क ओका घेर लेइ क आग्या दिहे रहा। यहोवा यरूसलेम असुद्ध मेहरारु क नाई होइ गइ रहीं।

18यरूसलेम कहा करत ह, “मई यहोवा क खिलाफ बिद्रोह किहस हउँ यह बरे उ जउन बात मोहे बरे करत ह उ उत्तिम बाटइ। तउ, हे सबहिं लोगो, सुना। तू मोर कस्ट लखा। मोर जवान मेहरारू अउर मनसेधू बन्दी बनाइ लइ गवा अहइँ।

19मई आपन पिरेमियन क गोहराएउँ। किन्तु उ पचे मोका धोका दिहस। नगर क याजक अउर बुजुर्ग मर गएन काहेकि उ पचे खइया खोजेस किन्तु कछु नाहीं पाएन।

20हे यहोवा, मोका लखा। मई दुःखे में पड़ी अहउँ। मोर अन्तरंग बचैने अहइ। मोर हिरदइ दुःखे में अहइ काहेकि मई बिद्रोह किहा रहिउँ। गलियन में मोरे गदेलन क तरवार काट डाए अहइ। घरन क भितरे मउत क बास रहा।

21मोर सुना, काहेकि मई कराहत हउँ। मोरे लगे कउनो नाहीं अहइ जउन मोक ढाढ़स देइ, मोर सब दुस्मनन मोरे दुःखन क बात सुनि लिहेन ह। उ पचे बहोत खुस अहइँ काहेकि तू मोरे संग अइसा सलूक किहस। अब उ दिन क लइ आवा जेकर तू घोसणा किहे रहया। उ दिन तू मोरे दुस्मनन क वइसा ही बनाइ दया जइसी मई अब ही अहउँ।

22मोरे दुस्मनन क बुरा करम क आपन समन्वा आवइ दया। फिन ओनके संग तू वइसा ही करब्या जइसा मोरे अपराध क बदले में तू मोरे संग किहा। अइसा करा काहेकि बार बार कराहत रहेउँ। अइसा करा काहेकि मोर हिरदइ निरास अहइ।”

### यहोवा क जरिये यरूसलेम क बिनास

2 लखा यहोव सिस्थोन क बिटिया क कइसे बादर में ढाँपि दिहस ह। उ इस्राएल क महिमा स्वर्ग स धरती पइ लोकाइ दिहेस ह। यहोवा आपन किरोध क दिन में आपन धरती पइ निवास स्थान बरे कउनो परवाह नाहीं किहसे।

2यहोवा याकूब क चिरागाह क बिना दया क लील लिहस। उ आपन प्रिय यहूदा क सबहिं गढ़ियन क भरिके किरोध में मेटेस। यहोवा यहूदा क राज क धरती पइ पटक दिहस अउर ओकरे नेता लोगन क बर्बाद कइ दिहस।

3यहोवा किरोध में भरिके इस्राएल क सारी सक्ती उखाड़ फेंकेस। उ ओका ओकर दुस्मन स अउर सुरच्छा नाहीं किहसे। उ याकूब में धधकत भइ आगी स भइकी। उ एक अइसी आगी रहौ जउन आस-पास क सब कछू चट कइ जात ह।

4यहोवा सत्रु क नाई आपन धनुस खींचे रहा। ओकरे दाहिन हाथे में ओकरे तरवारे क मूठा रहा। उ आपन दुस्मन पइ वार करइ बरे तैयार रहा। उ यहूदा क सबहिं आकर्सक लोगन क मारि डाएस। यहोवा आपन किरोध क जंगल क आगी क नाई सिस्थोन क खेमन पइ बरसाएस।

5यहोवा दुस्मन होइ गवा रहा अउर उ इस्राएल क लील लिहस। ओकर सबहिं महलन क उ लील लिहस ओकर सबहिं गढ़ियन क लील लिहे रहा। उ आपन प्रिय यहूदा बरे बहोत जियादा रुलाएस अउर बहोत विलाप कराएस।

6यहोवा आपन ही मन्दिर नस्ट किहे रहा जइसे उ कउनो उपवन होइ, उ उ ठाँव क नस्ट किहसे जहाँ लोग ओकर उपासना करइ बरे जमा होत रहेन। यहोवा लोगन क अइसा बनाइ दिहस कि उ पचे सिस्थोन में खास मिलन अउर आराम क खास दिनन क बिसरि जाइँ। यहोवा याजक अउ राजा क नकार दिहस। उ बड़े किरोध में भरिके ओनका नकारेस।

7यहोवा आपन ही वेदी क नकार दिहस अउर उ आपन उपासना क पवितर ठउरे क नकार दिहे रहा। यरूसलेम क महलन क देवारन क उ दुस्मन क सौपि दिहस। यहोवा क मन्दिर में दुस्मन सोर करत रहा। उ पचे अइसे सोर करत रहेन जइसे कउनो छूट्टी क दिन होइ।

8उ सिस्थोन क बिटिया क देवार नस्ट करब सोचेस ह। उ कउनो नापइ क डोरी स ओह पइ निसान डाएस ह। उ खुद क इका बिनास करइ स नाहीं रोकस। उ दुःख में भरिके फसीलन अउर देवार क रोवाइ दिहस।

9यरूसलेम क दरवाजन टुटिके धरती पइ बइठ गएन। फाटक क सलाखन क तोड़िके ओका तहस-नहस कइ दिहस। सिस्थोन क राजा अउर नेता लोगन दुसर देसन में बिखेर दीन्ह गएन। ओनके बरे आजु कउनो धार्मिक सिच्छा ही नाहीं रही। नबी भी यहोवा स कउनो दिव्य दर्सन नहीं पउतेन।

10सिस्थोन क बुजुर्ग अब धरती पइ बइठत हीं। उ पचे धरती पइ बइठत हीं अउर चुप रहत हीं। आपन माथन पइ फूल मलत हीं अउर सोक वस्त्र पहिरत हीं। यरूसलेम क जुवतियन दुःख में आपन माथा धरती पइ नवावत हीं।

11जब मई रोवत हउँ तउ मोर नैन में र्द होत ह। मोर अंतरंग वियाकुल अहइ। मोरे लोगन क बिनास क कारण मोर मन क अइसा लागत ह जइसे उ बाहर निकरिके धरती पइ गिरा होइ। गदेलन अउर दूध पइ वाले बच्चे गलियन में बेहोस पड़ा अहइँ।

12उ पचे बिलाखत भए आपन महतरियन स पुछत हीं, “कहाँ बाटइ महतारी, कछू क खइया अउर पिअइ क?” उ पचे इ सवाल अइसे पूछत हीं जइसे जख्मी सिपाही सहर क गलियन में गिरत प्राणन क तजत, उ पचे इ सवाल पूछत हीं। उ पचे आपन महतरियन क गोदी में लोटत भए प्राणन क तजत हीं।

13हे यरूसलेम क बिटिया, मई केहसे तोहार तुलना करउँ? तोहका केकरे समान कहउँ? हे सिस्थोन क कुवाँरी कन्या, तोहका केहसे तुलना करउँ? तोहका कइसे ढाढ़स

बँधावउँ? तोहार जखम सगरे जइसा विसाल अहइ। अइसा कउनो भी नाहीं जउन तोहार उपचार करइ।

14तोहार नबियन तोहरे बरे दिव्ब दर्सन लिहे रहन। किन्तु उ पचे सबहिं बियर्थ अउर लबार सिद्ध भएन। उ पचन्क तोहका बिनास स दूर रखइ बरे, तोहरे पापन क खिलाफ उपदेस दिन्ह चाही रहन। किन्तु उ पचे अइसा नाहीं किहन। उ पचे तोहका झूटे चिजियन क सिच्छा दिहन जउन कि तोहका भटकइ दिहस।

15बटोही राह स गुजरत भए स्तब्ध होइके तोह पइ ताली बजावत हीं। यरूसलेम क बिदिया पइ उ पचे सीटियन बजावत अउर माथा नयावत हीं। उ सबइ लोग पुछत हीं, “का इहइ उ नगरी अहइ जेका लोग कहा करत रहन, ‘एक संपूर्ण सुन्नर नगर’ तथा ‘समुचइ संसार क आनन्द?’”

16तोहार सबहिं दुस्मन तोह पइ आपन मुँह खोलत हीं। तोह पइ सीटियन बजावत हीं अउर तोह पइ दाँत पसित हीं। उ पचे कहा करत हीं, “हम ओनका लील लीन्ह। फुरइ इहइ उ दिन अहइ जेकर हमका प्रतीच्छा रही। अउर अब हम पचे ऐंका घटत भए लाखि लीन्ह।”

17यहोवा वइसा ही किहस जइसी ओकर योजना रही। उ वइसा ही किहस जइसा उ करइ बरे कहे रहा। बहोत दिनन पहिले जइसा उ आदेस दिहे रहा, वइसा ही कइ दिहस। उ बर्बाद किहस, ओहका दाया तलक नाहीं आइ। उ तोहरे दुस्मनन क खुस किहस कि तोहारे संग अइसा घटा। उ तोहारे दुस्मनन क ताकत बढ़ाइ दिहस।

18ओनका दिल यहोवा क पुकारेस। सिन्थोन क देवार आँसुअन क नदी क नाई बहइ दया। दिन अउर रात आपन आँसुअन क गिरइ दया। तू ओनका जिन रोका।

19जाग उठा। राति में विलाप करा। राति क हर पहर क सुर में विलाप करा। आँसुअन में आपन मन बाहेर निकार दया जइसा उ पानी होइ। आपन मन यहोवा क समन्वा निकार राख। यहोवा क पराथना में आपन हाथ ऊपर उठावा। ओहसे आपन संतानन क जीवन माँग। ओहसे तू ओन संतानन क जीवन माँग ल्या जउन भूख स हर कुचे गली में बेहोस होइके गिर जात ह।

20हे यहोवा, मोह पइ निगाह करा। लखा कउन अहइ उ जेकर संग तू अइसा किहा। तू मोहका इ सवाल पूछइ दया: का महतारी क ओन गदेलन क खाइ जा नीक अहइ जेनका उ जनत ह? का महतारी क ओन गदेलन क खाइ जा नीक अहइ जेनका उ पोसत रही ह? का यहोवा क मन्दिर में याजक अउ नबियन क प्राणन क लीन्ह जा नीक अहइ?

21लरिकन अउ बुजुर्गिन नगर क गलियन में धरती पइ पड़ा रहईं। मोर जवान मेहररुअन अउर जवान मनसेधू तरवारे क धार उतारे गए रहन।

हे यहोवा, तू आपन किरोध क दिन पइ ओनकर बध किहा ह। तू ओनका बगैर कउनो करुणा क मारा ह।

22तू मोह पइ हर एक जगह स दुःख व मसीबत अइसे बोलाया जइसे इ पर्व क दिन होइ। ओह दिन जब यहोवा किरोध किहस अइसा कउनो मनई नाहीं रहा जउन बचिके भाग पाया होइ। जेनका मई बढ़ाए रहेउँ अउर मई पालेउँ, पोसेउँ ओनका मोर दुस्मनन मारि डारन ह।

### एक मनई क जरिये आपन सबइ यातना पइ विचार

3 मई एक अइसा मनई हउँ जउन बहोतेरी यातना भोगी हउँ, यहोवा क किरोध क तले मई बहोतेरी दण्ड यातना भोगी हउँ।

2यहोवा मोका लइके चला अउर उ मोका अँधियारा क भीतर लावा न कि प्रकासे में।

3यहोवा आपन हाथ मोरे विरोध में कइ दिहस। अइसा उ बारम्बार सारे दिन किहस।

4उ मोर आस, मोर चाम नस्त कइ दिहस। उ मोर हाइन क तोड़ दिहस।

5यहोवा मोरे विरोध में, कडुआहट अउ आपदा फइलाएस ह। उ मोरे चारिहुँ कइँती कडुआहट अउ बिपत्ति फइलाइ दिहस।

6उ मोका अधियारा में बइठाइ दिहे रहा। उ मोका उ उ मनई सा बनाइ दिहे रहा जउन कउनो बहोत दिनन पहिले मरि चुका होइ।

7यहोवा मोका भितरे बंद किहेस, एहसे मई बाहेर आइ न सकेउँ। उ मोह पइ भारी जंजीरन घेर रहा।

8हिआँ तलक कि जब मई चिल्लाइके दोहाइ देत हउँ, यहोवा मोर विनती क नाहीं अनकत ह।

9उ पथरे स मोरी राह क मुँद दिहस ह। उ मोर राह क टेढ़ा कइ दिहेस ह।

10यहोवा उ भालू सा भवा जउन मोह पइ आक्रमण करइ क तत्पर अहइ। उ उ सिँहसा भवा ह जउन कउनो ओटे में छिपा भवा अहइ।

11जहोवा मोका मोरी राहे स हटाइ दिहस। उ मोर धजियन उड़ाइ दिहस। उ मोका बर्बाद कइ दिहस ह।

12उ आपन धनुस तैयार किहस। उ मोका आपन बाणन क निसाना बनाइ दिहे रहा।

13मोरे पेट में बाण मार दिहस। मोह पइ आपन बाणन स प्रहार किहे रहा।

14मई आपन लोगन क बीच हँसी क यात्र बन गएँ। उ पचे दिन भइ मोर गीत गाइ-गाइके मोर मजाक बनावत हीं।

15यहोवा मोका करवाहट स भर दिहेस ह। उ मोका जहर पिलवाएस ह।

16उ मोर दाँत पाथरे क भुईँया में गडाइ दिहेस। उ मोका माटी में मिलाइ दिहस।

17मई अब अउर सान्ति योग्य नाहीं अहउँ। अच्छी भली बातन क मई बिसरि गवा रहेउँ।

18खुद अपने आप स मई कहइ लागे रहेउँ, “मोका तउ बस अब अउर आस नाहीं अहइ कि यहोवा कबहुँ मोका सहारा देइ।”

19मई आपन दुखिया पन क, मोर घर नहीं अहइ एका कड़वे जहर क,

20अउर मोर सारी यातना क याद कइ क मई बहोत ही दुःखी हउँ।

21किन्तु उहइ समइ जब मई सोचत हउँ, तउ मोका आसा होइ लागत ह। मई अइसा सोचा करत हउँ।

22यहोवा क पिरेम अउ करुणा क अंत कबहुँ नाहीं होत। यहोवा क सबइ कृपा कबहुँ खतम नाहीं होत।

23हर भिन्सोर उ सबइ नवा होइ जात हीं। हे यहोवा, तोर सच्चाई महान अहइ।

24मई आपन स कहा करत हउँ, “यहोवा मोरे हीसां मँ अहइ। इहइ कारण स मई आसा रखबा।”

25यहोवा ओनके बरे उत्तिम अहइ जउन ओकर बाट जोहत हीं। यहोवा ओनके बरे उत्तिम अहइ जउन ओकर खोज मँ रहा करत हीं।

26इ उत्तिम अहइ कि कउनो मनई चुपचाप यहोवा क प्रतीच्छा करइ कि उ ओकर रच्छा करी।

27इ उत्तिम अहइ कि कउनो मनई यहोवा क जुए क धारण करइ, उ समइ स ही जब उ युवक होइ।

28मनई क चाही कि उ अकेला चुप बइठे ही रहइ जब यहोवा आपन जुए क ओह पइ धरत ह।

29उ मनई क चाही कि यहोवा क समन्वा उ दण्डवत प्रणाम करइ। होइ सकत ह कि कउनो आस बची होइ।

30उ मनई क चाही कि उ आपन गाल कइ देइ, उ मनई क समन्वा जउन ओह पइ प्रहार करत होइ। उ मनई क चाही कि उ अपमान झेलइ क तत्पर रहइ।

31उ मनई क चाही उ याद राखइ कि यहोवा कउनो क भी सदा-सदा बरे नाही बिसरावत।

32यहोवा दण्ड दण्ड देत भए भी आपन कृपा बनाए राखत ह। उ आपन परिम अउ दया क कारण आपन कृपा राखत ह।

33यहोवा कबहुँ भी नाही चाहत कि लोगन क दण्ड देइ। ओका नाही भावत कि लोगन क दुःखी करइ।

34यहोवा क इ सबइ बातन नाही भावत हीं: ओका नाही भावत कि कउनो मनई आपन गोइन क तले धरती क सबहि बंदियन क कुचरी डावइ।

35ओका नाही भावत ह कि कउनो मनई कउनो मनई क छलइ। कछु लोग ओकरे मुकदमे मँ परम प्रधान परमेस्सर क समन्वा ही अइसा किया करत हीं।

36ओका नाही भावत कि कउनो मनई अदालत मँ कउनो स छल भरइ। यहोवा क एनमाँ स कउनो भी बात नाही भावत ह।

37जब तलक खुद यहोवा ही कउनो बात क होइ क आग्या नाही देत, तब तलक अइसा कउनो भी मनई नाही अहइ कि कउनो बात कहइ अउर ओका पूरा करवाइ लेइ।

38बुरी-भली बातन सबहि सर्वोच्च परमेस्सर क मुँहे स ही आवत हीं।

39कउनो जिअत मनई सिकाइत कइ नाही सकत जब यहोवा उहइ क पापन क दण्ड ओका देत ह।

40आवा, हम आपन करमन क परखई अउर लखई, फुन यहोवा क सरन मँ लौट आवई।

41आवा, अपना परारथाना करइ बरे सरग क परमेस्सर क समन्वा हम आपना हाथ उठाइ।

42आवा, हम ओहसे कही, “हम पाप कीन्ह ह अउर हम जिद्दी बना रही अउर एह बरे तू छमा नाही किहा।

43तू किरोध स अपने क ढॉप लिहा, हमार पीछा तू करत रहा ह, तू हम पचन्क बेरहमी स मार दिहा।

44तू आपन क बदरे स ढॉप लिहा। तू अइसा एह बरे किहे रहया कि कउनो भी विनती तोह तलक पहुँचे ही नाही।

45तू हम पचन्क दूसर देसन क तुलना मँ कुड़ा करकट क नाई बना दिहेस।

46हम पचन्क सबहि दुस्मन हम पचन स घमण्ड मँ बोलत ही।

47हम डेरान भए अही, हम गर्त मँ गिर गवा ही। हम बुरी तरह नोस्कान पावा ह। हम पचे टूटि चुका ही।”

48मोर नैन स आसूँअन क नदी बही ही। मई विलाप करत हउँ काहेकि मोर लोग तबाह होइ गवा ह।

49मोर नैन बिना रुके बहत रहिहीं। मई हमेसा विलाप करत रहब।

50हे यहोवा, मई तब तलक विलाप करत रहब जब तलक तू दिस्टि न करा अउ हमका लखा। मई तब तलक विलाप हो करत रहब जब तलक तू सरग स हम पइ दिस्टि न करा।

51जब मई लखा करत हउँ जउन कछू मोर नगरी क जुवतियन क संग घटा तब मोर नैन मोका दुखी करत हीं।

52जउन लोग बियर्थ मँ ही मोर दुस्मन बना हीं, उ पचे घूमत हीं मोरे सिकारे क फिराक मँ, माना मई कउनो चिडिया हउँ।

53जिअत जी उ पचे मोका गढ़ा मँ लोकाएन जउर मोह पइ पाथर लुढ़काए रहेन।

54मोरे मूँडे पइ पानी गुजर गवा। मई आपन आप मँ कहाँ, “मोर नास भवा।”

55हे यहोवा, मई तोहार नाउँ गोहराएउँ। उ गइहा क तल स मई तोहार नाउँ गोहराएउँ।

56तू मोर अवाज क सुन्या। तू कान नाही मूँद लिहा। तू बचावइ स अउर मोर रच्छा करइ स नकार्या नाही।

57जब मई तोहार दोहाइ दिहेउँ, उहइ दिन तू मोरे लगे आइ गवा रह्या। तू मोहसे कहे रह्या, “भयभीत जिन हवा।”

58हे यहोवा, मोरे अभियोग मँ तू मोर पच्छ लिहा। मोरे बरे तू मोर प्राण वापस लइ आया।

59हे यहोवा, तु मोर विपत्तियन लख्या ह, अब मोरे बरे तू मोर नियाव करा

60तू खुद लख्या ह कि दुस्मनन मोरे संग केतन अनियाव किहन। तू खुद लख्या ह ओन समूचइ सड्यंत्रन क जउन उ पचे मोहसे बदला लेइ क मोरे खिलाफ रचे रहेन।

61हे यहोवा, तु सुन्या ह कि मोर अपमान कइसे करत हीं तू सुन्या ह ओन सड्यंत्रन क जउन उ पचे मोरे खिलाफ रचाएन।

62मोरे दुस्मनन क बचन अउ बिचार सारे दिन ही मोरे खिलाफ रहेन।

63लखा यहोवा, चाहे उ पचे बइठे होई, चाहे उ पचे खड़ा होई, कइसे उ पचे हँसी उड़ावत हीं।

64हे यहोवा, ओनके संग वइसा ही करा जइसा ओनके संग करइ चाही। ओनके करमन क फल ओनका दइ द्या।

65ओनकर मन हठीला कइ द्या। फिन आपन अभिसाप ओन पइ डाइ द्या।

66क्रोध में भरिके तू ओनकर पाछा करा। ओनका बर्बाद कइ द्या। हे यहोवा, तू ओनका इ धरती स खतम कइ द्या।

**यरूसलेम पइ हमले क आतंक**

4 लखा, कउने तरह सोना चमक रहित होइ गवा। लखा, सारा सोना कइसे खोट होइ गवा। चारिहुँ कइँती हीरा-जवाहरात बिखड़ा पड़ा अहई। हर गली क सिर पइ इ सबइ रतन पसरा अहई।

2सिय्योन क लोग अइसे ही मुल्यवान रहेन, जइसे ओनका वजन सोना क बराबर रहा। किन्तु अब ओनके संग दुस्मन अइसे बर्ताव करत हीं जइसे उ पचे कोमहार क बनाए माटी क पात्र होई।

3हिआँ तलक कि सियार भी आपन बच्चन क थन देत ह, उ आपन बच्चन क दूध पिअइ देत ह। किन्तु मोर लोग निर्दय होइ ग अहई। उ पचे अइसे होइ गएन जइसे मरुभूमि में निवासी-सुतुर्मुग।

4पिआस क मारे आबोध गदेलन क जीभ तालु स चिपकति अहइ। इ सबइ नान्ह लरिकन रोटी क तरिसत हीं। किन्तु कउनो भी ओनका कछू भी खाई क बरे देत नाहीं।

5अइसे लोग जउन सुआदिस्ट भोजन खावा करत रहेन, आजु भूख स गलियन में मरत अहई। अइसे लोग जउन उत्तिम ओढ़ना पहिरत भए पले बढ़े रहेन, अब कुड़न क देस पइ बिनत फिरत अहई।

6मोरे लोगन क पाप सदोम अउ अमोरा क पापन स बड़ा रहा। सदोम अउ अमोरा क एकाएक नस्ट कीन्ह गवा। ओनके बिनासे में कउनो भी मानव क हाथ नाहीं रहा।

7यहूदा क लोग परमेस्सर क समर्पित रहेन, उ पचे बरफ स उज्जर रहेन, दूधे स धोवा रहेन। ओनकर तन मूँगा स जियादा लात रहिन। ओनकर डाढ़ी नीलम स करिया रहिन।

8किन्तु ओनकर मुहँ अब धुआँ स करिआ होइ गवा अहई। हिआँ तलक कि गलियन में ओनका कउनो भी नाहीं पहिचान सकत ह। ओनकर ठठरी पइ अब झुरियन पड़ि गइ अहई। ओनकर चाम अब लकड़ी जइसा होइ गवा अहइ।

9अइसे लोग जेनका तरवारे क घाट उतावा गवा ओनसे जियादा भागगवान रहेन जउन लोग भूख-मरी क मउत मरेन। खइया क कमी स मरिइ स खून क कमी स मरि जान बहतर अहइ

10ओन दिन अइसी मेहररुअन भी जउन बहोत अच्छी हुवा करत रहिन, आपन ही बच्चन क माँस पकाए रहिन। उ सबइ गदेलन आपन महतारी क आहार बनेन। अइसा तब भवत रहा जब मोरे प्रिय लोगन क बिनास भवा रहा।

11यहोवा आपन सब क्रोध क प्रयोग किहेस; आपन समूचा क्रोध उ उड़ेर दिहस। सिय्योन में जउन आग भड़काएस, सिय्योन क नेवन क खाले तलक बार दिहे रहेन।

12जउन कछू घटा रहा, धरती क कउनो भी राजा क ओकर बिस्सास नाहीं रहा। जउन कछू घटा रहा, धरती क कउनो भी लोगन क ओकर बिस्सास नाहीं रहा। यरूसलेम क दुआसन स होइके कउनो भी दुस्मन भीतर आइ सकत ह, एकर कउनो क भी बिस्सास नाहीं रहा।

13किन्तु अइसा ही भवा, काहेकि यरूसलेम क नबी लोग पाप किहे रहेन। अइसा भवा काहेकि यरूसलेम क याजक बुरे काम किया करत रहेन। यरूसलेम क नगर में उ पचे नीक लोगन क खून बहावा करत रहेन।

14याजक अउ नबी गलियन में आँधि लोगन जइसे घुमत रहेन। उ पचे रकत स रिती क अनुसार गंदे होइ ग रहेन। यह बरे कउनो भी ओनकर ओढ़ना तलक नाहीं छुअत रहा।

15लोग ओन लोगन पइ चिचिआइके कहत रहेन, “दूर हटा! तू पचे अपवित्तर अहा, दूर हटा, दूर हटा! हमका जिन छुआ!” उ सबइ लोग बिना घर-बार क भटकत रहेन। दूसर देसन क लोग कहा करत रहेन, “हम नाहीं चाहि कि उ पचे हमरे लगे रहेन।”

16उ सबइ लोग खुद यहोवा क जरिये ही बिखेर दीन्ह गए रहेन। उ ओनकी कइँती फुन कबहुँ नाहीं लखेन। उ याजकन क आदर नाहीं दिहन। यहूदा क मुखिया लोगन क संग उ दोस्ती स नाहीं रहा।

17मदद पावइ क बाट जोहत-जोहत आपन आँखिन काम करब बंद किहन, अउर अब हमार आँखिन थक गइन ह। किन्तु कउनो भी सहायता नाहीं आई। हम प्रतीच्छा करत रहे कि कउनो अइसी जाति आवइ तउ हमका बचाइ लेइ। हम आपन निगरानी बुर्जा स लखत रहि गए। किन्तु कउनो भी हमका बचाएस नाहीं।

18हर समइ दुस्मन हमरे पाछे पड़े रहेन हिआँ तलक कि हम बाहेर गली में भी निकर नाहीं पाए। हमार अंत निअरे आवा। हमार समय पुरा होइ चुका रहा। हमार अंत आइ गवा।

19हम लोगन क पाछा करइवालन क गति उकाब क गति स तेज रही। ओ लोग पहाड़न क भीतर हम पक्क पाछा किहना। उ पचे हमका धरइ क रेगिस्तान में लुका-छिपा रहेन।

20उ राजा जउन हमरी नाकन क भीतर हमार प्राण रहा, गडढा में फँसाइ लीन्ह गवा रहा, उ राजा अइसा मनई रहा जेका यहोवा खुद चुने रहा। राजा क बारे में हम कहे रहे, “ओकरी छत्र-छाया मैं हम जिअत रहब, ओकरी छाया मैं हम जातियन क बीच जिअत रहब।”

21एदोम क लोगो, खुस रहा अउर आनन्द में रहा। हे ऊज क निवासी लोगो, खुस रहा। किन्तु सदा याद रखा, तोहरे पास भी यहोवा क क्रोध क पियाला आइ। जब तू ओका पीब्या, धुत होइ जाब्या अउर खुद क नंगा कइ डउब्या।

22सिय्योन, तोहार दण्ड पुरा भावा। अब फुन स तू कबहुँ बंधन में नाहीं पड़बिउ। किन्तु हे एदोम क लोगो, यहोवा तोहरे पापन क दण्ड देइ। तोहरे पापन क उ उघाइ देइ।

**यहोवा स विनती**

5 हे यहोवा, हमरे संग जउन घटा ह ओका याद राखा। हे यहोवा, हमरे तिरस्कार क लखा।

2हमार धरती परायन क हाथन में दइ दीन्ह गइ। हमार घर परदेसियन क हाथन में दीन्ह गएन।

3हम अनाथ होइ गएन। हमार कउनो पिता नाहीं। हमार महतरियन विधवा स होइ गइन ह।

4पानी पिअइ तलक हमका मोल देब पड़त ह, ईधन क लकड़ी तलक बेसहब पड़त ह।

5आपन काँधन पइ हमका जुए क बोझा उठाउब पड़त ह। हम थकिके चूर होत ह किन्तु अराम तनिकउ हमका नाहीं मिलत।

6हम पचन्क मिस्त्र अउर अस्सुर स खइया लेइ होब्या काहेकि हम पचन्क लगे खइया नाहीं अहइ।

7हमार पुरखन तोहरे खिलाफ मैं पाप किहे रहेन। आजु उ पचे मर चुका अहइँ। किन्तु ओनका बदले मैं हम पचन विपत्तयन भोगत अहइँ।

8हमार दास हो सुआमी बना अहइँ। हिआँ कउनो अइसा मनई नाहीं जउन हमका ओनसे बचाइ लेइ। 9बस भोजन पावइ क हमका आपन जिन्गी दाँव पइ लगावइ पड़त ह। रेगिस्तान मैं अइसे लोगन क कारण, जेनके लगे तरवार अहइ हमका आपन जिन्गी दाँव पइ लगाउब पड़त ह।

10हमार खाल तन्दूर सी तपत अहइ, हमार खाल तपत रही उ भूख क कारण जउन हमका लगी ह।

11सिय्योन क मेहररुअन क संग कुकर्म कीन्ह गवा ह। यहुदा क नगरियन क कुँवरियन क संग कुकर्म कीन्ह गवा अहइँ। 12हमार राज कुमार फाँसी पइ चढ़ावा गएन, उ पचे हमरे अग्रजन क आदर नाहीं किहन।

13हमार दुस्मनन हमरे नउजवान मनसेधुअन स चक्की मैं आटा पिसवाएन। हमार नउजवान मनसेधुअन काठे क बोझ तरे ठोकर खाएन।

14हमार बुजुर्गन अब नगर क दुआरन पइ बइठा नाहीं करतेन। हमार युवक अब संगीत मैं हीसां नाहीं लेतेन।

15हमरे मने मैं अब कउनो खुसी नाहीं अहइ। हमार खुसी मरे भए लोगन क विलाप मैं बदल गवा अहइ।

16हमार महिमा अउर हमरार मान संमान खतम होइ गवा अहइ। हम पचन्क सज़ा दीन्ह गएन ह।

17एह बरे हमार मन रोगी भए हँ, एन ही बातन स हमार आँखिन मधिम भई हँ।

18सिय्योन क पहाड़ वीरान होइ गवा ह। सिय्योन क पहाड़े पइ अब सियार घूमत हीं।

19किन्तु हे यहोवा, तोहार राज तउ अमर अहइ। तोहार महिमा स पूर सिंहासन सदा-सदा बना रहत ह।

20हे यहोवा, तू हम पचन्क क सदा बरे काहे भूला देब्या? तू हम पचन्क क अकेल्ला लम्बे समइ बरे काहे तजि देब्या?

21हे यहोवा, हम लोगन क तू अपनी कइँती वापिस ल्या, अउर हम लोग लउटि आउब। हमार दिन फेर द्या जइसे उ पहिले रहेन।

22का तू हम लोगन क पूरी तरह नकार दिहा ह? तू हम लोगन स बहोत कोहान रहा ह।